पत्रिका PLUS Weekend

Jaipur . Sunday
22/10/2017

RAJASTHANPATRIKA.COM/ENTERTAINMENT

Square 20 citylite 21 screenplay 22

नेशनल एलुकेशन कॉम्पीटिशन में किए बदलाव

आईसीएआई ने बढ़ाया कॉम्पीटिशन का लेवल

नेशनल टैलेंट हंट कॉम्पीटिशन दिया नाम

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● स्टूडेंट्स की ओवरऑल स्किल्स को डवलप करने के लिए द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने खास फैसला लिया है। जानकारी के अनुसार, इंस्टीट्यूट की ओर से हर साल आयोजित किए जाने वाले नेशनल एलुकेशन एंड क्विज कॉम्पीटिशन में इस साल से खास बदलाव किए हैं। आईसीएआई के बोर्ड ऑफ स्टडीज के चेयरमैन अतुल गुप्ता ने बताया कि पिछले साल तक जहां इस कॉम्पीटिशन में स्टूडेंट्स की स्पीकिंग एबिलिटी को डवलप करना होता था, वहीं इस साल इसमें एप्टीट्यूड, स्पीकिंग, ऑडिटरशिप, फाइनेंशियल नॉलेज, जनरल नॉलेज जैसे कई आयामों पर फोकस किया जाना है। इसे ध्यान में रखते हुए कॉम्पीटिशन फॉर्मेट और डिजाइन में भी खास बदलाव किए गए हैं, वहीं इसे अब नेशनल टैलेंट हंट नाम दिया गया है। ऐसे सवालों को शामिल किया जा रहा है, जिससे स्टूडेंट की ओवरऑल एबिलिटी और कैपेसिटी के बारे में जानकारी मिल पाए।

नेपाल में होगा फाइनल

ऑफिशियल्स के मुताबिक, कॉम्पीटिशन का लेवल बढ़ाने के लिए इस साल इसमें कई तरह के बदलाव किए हैं। इस साल पांच राउंड में यह कॉम्पीटिशन आयोजित होगा। 16 दिसंबर को दिल्ली में इसका फाइनल होगा, वहीं अब इंटरनेशनल लेवल पर भी इसे लाया गया है। इसका अंतरराष्ट्रीय कॉम्पीटिशन नेपाल में 30 जनवरी को होगा।

PATRIKA square
ur smart quotient

The world's first floating wind farm.

Page 20

EVENT TODAY

बुक लॉन्च 'द बॉय हू लव्ड'

समय : शाम 06 बजे

स्थान : सी-स्कीम स्थित मॉल

ऑथर : दुर्जोय दत्ता

ओपन माइक

समय : शाम 04 बजे

स्थान : विजय द्वार, क्वींस रोड

आयोजक : सुमधुर

मोमेंटो नहीं, अब मिलेगा 'मेमोरेबल सर्टिफिकेट'

खुशेन्द्र तिवारी

जयपुर ● अक्सर देखा होगा कि लोग कार्यक्रमों में अतिथियों के स्वागत के लिए उन्हें मोमेंटो (स्मृति चिह्न) देते हैं, ताकि उससे जुड़ी याद उनके साथ हमेशा रहे, लेकिन अब द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) अपने मेहमानों के मन में ऐसी स्मृति छोड़ेगा, जो ना सिर्फ उनके जेहन में बनी रहेगी, बल्कि उन्हें चिरकाल तक खुशी भी देती रहेगी। दरअसल, आईसीएसआई सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटीज के तहत 'शहीद की बेटी' पहल शुरू करने जा रहा है। इसके तहत इंस्टीट्यूट शहीदों के परिवार की मदद करेगा। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत आर्मी वेलफेयर फंड में इंस्टीट्यूट की ओर से फंड जमा करवाया जाएगा, जिससे शहीद की गर्ल चाइल्ड या आश्रित महिला (पत्नी या मां) की हेल्प होगी। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम को इंस्टीट्यूट ने इस तरह डिजाइन किया है, जिससे एक ओर शहीदों के परिवारों की आर्थिक मदद होगी, वहीं इंस्टीट्यूट के गैरजरूरी खर्चों में भी कमी आएगी। जानकारी के अनुसार, इस पहल के अंतर्गत अब इंस्टीट्यूट अपने 72 चैप्टर और हैडक्वार्टर में होने वाले कार्यक्रम में डिग्निट्रीज को बतौर सम्मान मोमेंटो देने के बजाय एक सर्टिफिकेट देगा।

INITIATIVE

इंस्टीट्यूट ने सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी के तहत शुरू की नई योजना

शहीद गर्ल चाइल्ड और आश्रित महिला को मिलेगी हेल्प

'इंस्टीट्यूट अपने गैरजरूरी खर्चों को कम करके देशहित में कार्य करने का प्रयास कर रहा है, इसलिए इस तरह की योजनाएं बनाई जा रही हैं।'

डॉ. श्याम अग्रवाल, नेशनल प्रेसिडेंट, आईसीएसआई

पद के अनुरूप सर्टिफिकेट ग्रेडिंग

इस सर्टिफिकेट में अतिथियों के पद और गरिमा के अनुरूप अमाउंट लिखा होगा। सर्टिफिकेट हैडक्वार्टर से ही इश्यू होंगे। जब भी कोई चैप्टर कार्यक्रम करवाएगा, तो वो हैडक्वार्टर को ग्रेडिंग के अनुरूप कितने और कौनसे सर्टिफिकेट चाहिए, इस बात की जानकारी दे देगा और उसी अनुरूप आईसीएसआई हैडक्वार्टर उन्हें सर्टिफिकेट प्रोवाइड करवा देगा। उदाहरण के तौर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, उपराज्यपाल, चीफ जस्टिस जैसे पदों के वेलकम के लिए 2100 रुपए का सर्टिफिकेट दिया जाएगा, यानी उनके वेलकम के लिए खर्च होने वाली 2100 रुपए की राशि का सर्टिफिकेट उन्हें दे दिया जाएगा और वो राशि सीधे आर्मी फंड में चली जाएगी। इन सर्टिफिकेट्स में यूआईडी नंबर भी होंगे, जिससे सर्टिफिकेट का अमाउंट और ग्रेडिंग जानी जा सकती है। एक तरह से समझा जाए, तो इसके जरिए इंस्टीट्यूट में आया गेस्ट भी इस वेलफेयर में अपनी भागीदारी निभा पाएगा। खास बात यह भी है कि इस सर्टिफिकेट को '80 जी' के अंतर्गत रखा गया है, जिससे गेस्ट इनकम टैक्स में भी फायदा उठा सकता है।

खोला जाएगा अलग से खाता

इंस्टीट्यूट ने इस प्रोग्राम के लिए अलग से खाता खोलने की बात कही है, जिसमें पांच लाख का अमाउंट आते ही आर्मी वेलफेयर कोष में पैसा ट्रांसफर हो जाएगा। प्रति परिवार पांच लाख की सीमा तय की गई है। वहीं किसी डिग्निट्री से मुलाकात के दौरान दिए जाने वाले बुके की प्राइज की सीमा भी अब तय कर दी है, जो 250 रुपए है। अधिकारियों का कहना है कि यदि किसी चैप्टर को लगता है कि मोमेंटो देना बेहद जरूरी है, तो उसे इंस्टीट्यूट की परमिशन लेना अनिवार्य होगा।

27 अक्टूबर से इंडिया म्यूजिक समिट का आयोजन

दूर होंगे सिंगिंग मिथ, होगी संगीत की लेखनी पर चर्चा

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● शहर में देश-दुनिया के नामचीन म्यूजिशियन न केवल संगीत से लोगों के दिलों को छूने की कोशिश करेंगे, बल्कि अपने अनुभव भी शेयर करेंगे। मौका होगा, जयपुर में हो रहे एमटीवी इंडिया म्यूजिक समिट का। होटल फेयरमॉन्ट में होने वाले तीन दिवसीय समारोह में प्रतिदिन विभिन्न सब्जेक्ट्स पर जाने-माने म्यूजिशियन राय रखेंगे। पं. जसराज से लेकर गिरिजा देवी, प्रसून जोशी, कौशिकी चक्रवर्ती, सोना महापात्रा, पवित्रा चारी, समीर कृपलानी, जॉज ब्रूक्स जैसे फनकार अपनी कला की चर्चा म्यूजिक लवर्स के समक्ष करेंगे। समिट की शुरुआत समिट एंथम से होगी। पहले दिन क्लासिकल सिंगर पं. जसराज और गिरिजा देवी एक मंच पर होंगे। समिट का पैट्रन पत्रिका डॉटकॉम है।

पिता का जीवन बयां...

कर्नाटक म्यूजिक से जुड़े जाने-माने कलाकार टी.एम. कृष्णा म्यूजिक के थोट्स और विजन पर बात करेंगे। सेशन 'लिविंग विद् अ लीजेंड' में सितारवादक उस्ताद शुजात खान अपने पिता उस्ताद विलायत खान के जीवन के पहलुओं को उजागर करेंगे। म्यूजिक में महिलाओं की भूमिका पर कौशिकी चक्रवर्ती, सोनम महापात्रा और अन्य विशेषज्ञ बात करेंगे। 'एक्सप्रेसिव आर्ट एंड म्यूजिक थैरेपी' पर पवित्रा चारी रूबरू होंगी, वहीं 'शैडो एंड लाइट' पर लेक्चर-डेमोंस्ट्रेशन सेक्सोफोनिस्ट जॉर्ज ब्रूक्स देंगे। समिट में साउंड के महत्व पर समीर कृपलानी प्रकाश डालेंगे। इंस्ट्रूमेंट की बनावट और ट्रेडिशनल आर्टिस्ट्स पर रूम टोन चर्चा करेंगे। आखिरी दिन 'म्यूजिक वी रोट' पर वर्कशॉप होगी, वहीं म्यूजिक एंड ब्रांडिंग पर राजीव राजा की वर्कशॉप होगी। वोकल एंड यू सेशन में सिंगिंग के मिथ को वसुंधरा वी तोड़ेंगी।

हर आयु वर्ग के लिए खास

समिट में कलाकार गजल, ठुमरी, भजन के स्वर भारतीय पारम्परिक म्यूजिक की खुशबू का अहसास करवाएंगे, वहीं जैज म्यूजिशियन, फ्यूजन आर्टिस्ट्स और इंस्ट्रूमेंटलिस्ट्स ऑडियंस के सामने एक्सपेरिमेंटल म्यूजिक का नायाब उदाहरण रखेंगे। यह कार्यक्रम हर आयु वर्ग की ऑडियंस के लिए खास होगा।

समय की मांग पर फ्यूजन सही है : सुनंदा

इंडिया म्यूजिक समिट में शिरकत करने जा रही क्लासिकल सिंगर सुनंदा शर्मा ने पत्रिका प्लस से बातचीत में कहा कि घर में संगीत का माहौल रहा है। पिता से खेल-खेल में संगीत के गुर सीखे। चार-पांच साल की उम्र में स्टेट पर प्रस्तुति के चलते प्राइज भी मिलने लगे। हिमाचली संगीत को सुनते-सुनते बड़ी हुई, लेकिन बनारस घराने के प्रति खास झुकाव रहा। चंडीगढ़ में पढ़ाई के दौरान गिरिजा देवी के सामने प्रस्तुति देने का मौका मिला और प्रस्तुति के बाद वे मेरे पिता से बात कर मुझे अपने साथ ले गई। लगभग नौ साल तक उनके घर में रहकर संगीत की शिक्षा ली। यहां से बनारस घराने की बारीकियां जानने का मौका मिला। कुछ सालों के रियाज के बाद गिरिजा देवी के साथ प्रस्तुतियां भी देने लगी, फिर लोगों ने सोलो परफॉर्मेंस के लिए बुलाना शुरू कर दिया। क्लासिकल में हमेशा से प्रयोग होते आ रहे हैं। अब वेस्टर्न के साथ एक्सपेरिमेंट का दौर है। समय की मांग पर फ्यूजन सही है और लोगों से कनेक्ट करने वाला भी साबित हो रहा है।

बोर्ड ने स्कूलों से मांगा टीचर्स का डेटा कलेक्शन

एग्जाम प्रोसेस को लेकर संजीदा

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) स्टूडेंट्स की एजुकेशन, एग्जाम और रिजल्ट जैसे सभी पहलुओं पर काफी गंभीर नजर आ रहा है। नए सत्र में एग्जाम से लेकर रिजल्ट तक की सभी प्रक्रियाओं को सुचारू करने के लिए बोर्ड ने अभी से कवायद शुरू कर दी है। दरअसल, बोर्ड ने इस साल सभी सीबीएसई स्कूलों से टीचर्स का डेटा कलेक्शन मांगा है। इसमें बोर्ड ने स्कूल्स के पार्ट टाइम और फुल टाइम सभी वर्गों के टीचर्स की जानकारी मांगी है, जो स्कूल से संबंधित है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस साल सीबीएसई एग्जाम और रिजल्ट प्रक्रिया में कोई खामी नहीं छोड़ना चाहती है, लिहाजा उन्होंने एक महीने पहले ही स्कूलों से यह डेटा मांग लिया है।

एक माह पहले...

जानकारी के अनुसार, यह जानकारी स्कूलों से नवम्बर में मांगी जाती है, लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से ही बोर्ड का फोकस एग्जाम प्रक्रिया पर है। कुछ महीनों पहले जहां इस बार क्लास टेंथ और ट्वैल्थ के एग्जाम एक ही दिन में पूरा करने की बात सामने आई थी, वहीं अब बोर्ड ने एक महीने पहले ही स्कूलों से टीचर्स और स्टाफ की जानकारी मांगी है। उल्लेखनीय है कि पिछले सत्र में टेंथ और ट्वैल्थ एग्जाम की मूल्यांकन प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ियां सामने आई थी, जिसका एक कारण एग्जाम्स का लेट होना भी बताया जा रहा था।

बढ़ सकते हैं सेंटर्स

यह भी जानकारी मिली है कि स्कूलों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए इस बार बोर्ड एग्जाम सेंटर्स को बढ़ाने का प्रयास करेगा, वहीं डबल शिफ्ट प्रक्रिया में सरलता कैसे लाई जाए, इस पर भी विचार चल रहा है। बोर्ड ने टीचर्स डेटा कलेक्शन में प्रिंसिपल, हेड एग्जामिनर, इनविजिलेटर और सुप्रीटेंडेंट जैसी सभी जानकारियां मांगी हैं।

मार्किंग स्कीम की बैठक जल्द

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस साल मार्किंग स्कीम को लेकर भी बैठक जल्द होगी, क्योंकि अब 10वीं बोर्ड एग्जाम में काउंट होगा, ऐसे में मार्किंग स्कीम पर खास फोकस है, वहीं मार्किंग स्कीम की बैठक समय पर होने से रिजल्ट भी जल्दी आने की संभावनाएं हैं।

2018-2019 एग्जाम फरवरी में होंगे

सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड का फोकस इस सत्र में एग्जाम प्रक्रिया को सुचारू बनाने के साथ अगले सत्र को भी सही समय पर शुरू करके 2018-19 के एग्जाम को फरवरी में करवाना है। दरअसल, 2019 में लोकसभा चुनाव हैं और पिछले सत्र में यूपी चुनाव के कारण सभी प्रक्रियाएं लेट हुई, ऐसे में बोर्ड 15 फरवरी तक एग्जाम शुरू करने का प्रयास करेगा, जबकि पहले एग्जाम मार्च में शुरू होते थे।

राजस्थानी शूट में अब प्रोफेशनलिज्म का तड़का

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● अब राजस्थान बदल रहा है। यह हम नहीं, प्रोफेशनल एक्सपर्ट्स बोल रहे हैं। म्यूजिक वीडियोज और शॉर्ट फिल्मों का राजस्थान में बूम आ गया है। यहां लगातार नए अंदाज और क्रिएटिविटी के साथ शूट चल रहे हैं। राजस्थानी शूट में अब प्रोफेशनलिज्म का जुड़ाव अहम हो गया है, जिससे मेकर्स को मुम्बई जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। प्रोफेशनल्स की मदद से मेकर्स अपने प्रोजेक्ट्स को जयपुर में ही रहकर तैयार कर रहे हैं और यूट्यूब पर रिलीज कर रहे हैं। कॉस्ट्यूम डिजाइनर से लेकर सेलेब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट, डांस कोरियोग्राफर, एडिटर और अन्य प्रोफेशनल्स एक साथ शूटिंग प्रोजेक्ट में जुड़कर नए प्रयोग कर रहे हैं। अब जयपुर में बने प्रोजेक्ट्स को ऑनलाइन पसंद भी किया जा रहा है, इंडस्ट्री में सराहना भी मिल रही है। शहर के मेकर्स हॉलीवुड एडिटर्स को भी अपने प्रोजेक्ट्स से जोड़ रहे हैं।

थीम बेस्ड डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनर शमी खान ने बताया कि फिल्म और टीवी प्रोजेक्ट्स के लिए मुम्बई से अप्रोच किया जाता रहा है, लेकिन अब राजस्थान में हो रही शूटिंग के लिए भी कॉस्ट्यूम के लिए जोड़ा जा रहा है। जयपुर में भी कई मेकर्स थीम बेस्ड डिजाइनिंग को प्राथमिकता में रखते हैं और प्रोजेक्ट की डिमांड के मुताबिक डिजाइनिंग करवा रहे हैं। म्यूजिक वीडियो से लेकर शॉर्ट फिल्म, राजस्थानी फिल्म और अन्य प्रोजेक्ट्स में कॉस्ट्यूम डिजाइन को यूज किया जा रहा है, जबकि पहले यहां प्रोफेशनली इन चीजों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा था। 'बन्नाजी रॉबिनहुड' सॉन्ग के लिए राजपूताना स्टाइल का वॉर्डरोब तैयार किया था, जिसमें नेहरू जैकेट, ब्रीचेज, पेंट, जोधपुरी की डिफरेंट स्टाइल थी।

हॉलीवुड कनेक्शन भी जुड़ गया है

एक्टर-प्रोड्यूसर हनी शर्मा ने बताया कि जयपुर में जिस तरह से शूटिंग वर्कमें प्रोफेशनल्स जुड़ रहे हैं, वह बेनिफिशियल साबित हो रहा है। इससे जयपुर के म्यूजिक वीडियो काफी पसंद किए जा रहे हैं। जयपुर में म्यूजिक वीडियो शूट करने के बाद इंटरनेशनल अंदाज देने के लिए हम म्यूजिक एडिटिंग के लिए हॉलीवुड एक्सपर्ट से भी मदद ले रहे हैं। यह प्रोसेस ऑनलाइन हो रहा है। हॉलीवुड के ये एक्सपर्ट बॉलीवुड के लिए भी काम करते हैं, इसलिए इनका कनेक्शन राजस्थान से जुड़ना खास है। म्यूजिक डायरेक्टर-सिंगर रैपरिया बालम का कहना है कि म्यूजिक वीडियो में सिंगल के रूप में नया क्रिएटिव प्रोसेस राजस्थान से जुड़ गया है और अब इसे तैयार करने में इंडस्ट्री के प्रोफेशनल्स भी साथ दे रहे हैं।

'...इन्द्रधनुष' का विमोचन आज

जयपुर ● स्पंदन महिला साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थान की ओर से लेखिका आभा सिंह के कहानी संग्रह 'टुकड़ा-टुकड़ा इन्द्रधनुष' का लोकार्पण समारोह रविवार दोपहर तीन बजे चर्च रोड स्थित रोटरी क्लब में आयोजित किया जाएगा। अध्यक्षता राजस्थान साहित्य अकादमी से पुरस्कृत हिन्दी और अंग्रेजी के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. नरेन्द्र शर्मा कुसुम, मुख्य अतिथि के रूप में व्यास सम्मान से सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व निदेशक जयपुर दूरदर्शन नंद भारद्वाज और राजस्थान साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सुदेश बत्रा मौजूद रहेंगे।

ANCHOR

कला चौपाल में आर्ट का सोशल कनेक्ट

'वॉटर आर बॉडी आर हैंड्स' थीम पर कर रहे हैं आर्ट वर्क

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● पिछले कुछ सालों में आर्ट मार्केट ड्रिवन होने लगा है। ऐसे में जरूरी है कि इसकी खूबसूरती को सोशली कनेक्ट रखकर बरकरार रखा जाए, जिसमें सोसायटी और आर्टिस्ट्स, दोनों का योगदान जरूरी है। डिग्गी पैलेस में चल रहे 'जयपुर कला चौपाल' आर्टिस्ट रेजीडेंसी में इसी तरह कलाकारों ने अपनी बात रखी। 'वॉटर आर बॉडी आर हैंड्स' थीम पर इस रेजीडेंसी में शनिवार को आर्टिस्ट्स ने कला के विविध आयाम और दुनियाभर में पानी को लेकर हो रही समस्याओं पर मंथन किया।

आस-पास को जानना और काम करना खास

मेरा जन्म कर्नाटक के पास कोडगु (करू) नामक स्थान पर हुआ, जहां से कावेरी नदी का उद्गम है। आर्ट में मेरा बचपन से ही इंटरेस्ट था, लिहाजा बाद में इसे प्रोफेशनली ऑप्ट किया। शुरुआत में फॉरेस्ट और प्रकृति से जुड़ी आर्ट फार्म्स काफी अट्रैक्ट करते थे, लेकिन कुछ सालों बाद जब मैं बेंगलूरु में रहते हुए कावेरी रिवर गई, तो वहां बहुत से इश्यूज ने ध्यान आकर्षित किया। मसलन, देश में सॉफ्ट ड्रिंक के लिए 6-7 लीटर पानी खर्च किया जाता है, जबकि लोगों को पीने के पानी की समस्या है। ऐसे इश्यूज को आर्ट के जरिए प्रजेंट कर अवेयरनेस फैला रही हूं। स्कूल्स कॉलेज में आर्टवर्क और वीडियो के जरिए अवेयर करती हूं।

भवानी जी.एस., बेंगलूरु

शांति नोरिस, भवानी जी.एस., प्रमिला सिंह और बारबरा ब्राउन।

यूएस में लैड एक बड़ी समस्या

आर्ट का लोगों को कनेक्ट करने और हील करने में खास स्थान है। यूएस में आर्ट हीलिंग के रूप में काम करती है। हम कैंसर पेशेंट्स की लाइफ में खुशियां लाने के लिए इसका प्रयोग करते हैं। आप यहां बड़े-बड़े हॉस्पिटल्स में आर्ट ऑफ हीलिंग को देख सकते हैं। गवर्नमेंट की ओर से यूएस में आर्टिस्ट को काफी सपोर्ट मिलता है। दुनिया की तरह यूएस में भी वॉटर बड़ी समस्या है। वॉटर पॉल्यूशन और दूसरा लैड, पिछले कुछ सालों में यह स्थिति आ गई है कि आप टैब वॉटर नहीं पी सकते। **शांति नोरिस,** यूएसए

हर कला, दूसरी से जुड़ी है

पिछले 26 सालों से आर्ट को लेकर काम कर रही हूं। पापा फोटोग्राफर थे, उनसे आर्ट को समझा। धीरे-धीरे मेरा इंटरेस्ट गार्डनिंग में बढ़ा। अब विजुअल आर्ट, गार्डनिंग और सोल्जर्स व फॉर्मर्स के साथ मिलकर आर्ट को लेकर वर्क कर रही हूं। कनाडा में वॉटर बड़ा इश्यू है।

बारबरा ब्राउन, कनाडा

आर्ट लर्निंग देता है

आर्ट को हमेशा गहराई से समझने की कोशिश करें। जब आप इस प्रोसेस में आते हैं, तो आपको आर्ट लर्निंग देती है। यही लर्निंग सोशल कन्सर्स में काफी मदद करती है। इंडिया में ऐसे प्लेटफॉर्म हों, जिससे आर्टिस्ट्स आर्ट को ज्यादा से ज्यादा एक्सप्रेसिव बनाएं।

प्रमिला सिंह, गुरुग्राम